

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कक्षा - 7

हिंदी (पल्लव)

अध्याय – 12

अशोक का शस्त्र-त्याग

भाग – 1

मिताली कुमारी

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



(पहला दृश्य)

(एक मैदान में मगध के सैनिकों के शिविर लगे हैं। बीच में मगध की पताका फहरा रही है। पताका के पास ही सम्राट अशोक का शिविर है। संध्या बीत चुकी है। आकाश में तारे चमकने लगे हैं। शिविरों में दीपक जल गए हैं। अपने शिविर में अशोक अकेले टहल रहे हैं। उनके मुख पर चिंता की छाया है। वे कुछ सोचते हुए आसन पर बैठ जाते हैं।)

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अशोक : (स्वतः) आज चार साल से युद्ध हो रहा है और कलिंग आज भी जीता नहीं जा सका है। दोनों ओर के लाखों आदमी मारे गए हैं, लाखों घायल हुए हैं, पर हम आज भी असफल हैं। क्या होगा इसका परिणाम?

द्वारपाल : (सिर झुकाकर) राजन! संवाददाता आना चाहता है।

अशोक : आने दो।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



संवाददाता : (प्रवेश कर) महाराज अशोक की जय हो। शुभ संवाद है। गुप्तचर समाचार लाया है कि कलिंग के महाराज लड़ाई में मारे गए हैं।

अशोक : (प्रसन्नतापूर्वक) मारे गए हैं! तो मगध की विजय हुई है! कलिंग जीत लिया गया है! (संवाददाता चुप रहता है।)

अशोक : बोलते क्यों नहीं हो तुम ? चुप क्यों हो ?

संवाददाता : (धीरे से) बोलूँ क्या महाराज ! कलिंग-दुर्ग के फाटक आज भी बंद हैं। फिर किस मुँह से कहूँ कि कलिंग जीत लिया गया।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अशोक : (उत्तेजित होकर) कलिंग के फाटक आज भी बंद हैं ?

संवाददाता : हाँ महाराज ! कलिंग के फाटक आज भी बंद हैं।

अशोक : (उत्तेजित होकर खड़े होते हुए) बंद हैं तो खुल जाएँगे। जाओ, जाकर सेनापति से कह दो कि कल सेना का संचालन मैं स्वयं करूँगा। कल या तो कलिंग के दुर्ग के फाटक खुल जाएँगे या मगध की सेना ही वापस चली जाएगी। जाओ (हाथ से जाने का संकेत करते हैं)।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(दूसरा दृश्य)



(दूसरे दिन प्रातःकाल का समय। शस्त्र-सज्जित अशोक घोड़े पर बैठे हैं। उनके पास उनका सेनापति है। सामने कलिंग-दुर्ग है, जिसके फाटक बंद हैं।)

अशोक : मेरे वीर सैनिको ! आज चार साल से युद्ध हो रहा है, फिर भी हम इस कलिंग को जीत नहीं पाए हैं। उसके किसी दुर्ग पर मगध की पताका नहीं फहरा रही है। कलिंग के महाराज मारे गए हैं।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उनके सेनापति पहले ही कैद हो चुके हैं, फिर भी कलिंग आत्मसमर्पण नहीं कर रहा है। आओ, आज हम अपनी मातृभूमि की शपथ लेकर प्रण करें कि या तो हम कलिंग के दुर्ग पर अधिकार कर लेंगे या सदा के लिए मृत्यु की गोद में सो जाएँगे।

सब सैनिक : (तलवार खींचकर) मगध की जय ! सम्राट अशोक की जय !

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

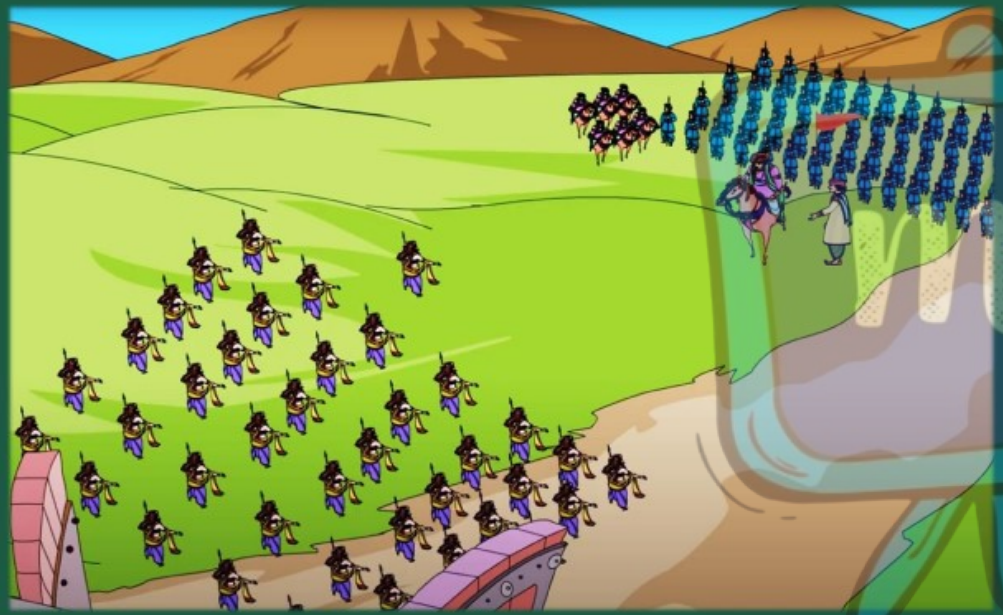

(सहसा दुर्ग का फाटक खुल जाता है। सब आश्चर्य से उधर देखने लगते हैं। उनकी तलवारें खिंची की खिंची रह जाती हैं। शस्त्र-सज्जित स्त्रियों की विशाल सेना फाटक के बाहर निकलने लगती है। सेना के आगे पुरुष भेष में एक वीरांगना है, जो सैनिक भेष में साक्षात् चंडी-सी दिखाई देती है। यह कलिंग महाराज की लड़की पद्मा है। स्त्रियों की सेना अशोक की सेना से कुछ दूरी पर रुक जाती है। अशोक के सिपाही मंत्रमुग्ध से देखते रह जाते हैं। अशोक भी चकित रह जाते हैं।)

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

पद्मा : (आगे बढ़कर अपनी सेना से) बहिनो! तुम वीर-कन्या, वीर-भगिनी और वीर-पत्नी हो। मुझे तुमसे कुछ नहीं कहना है। जिस सेना ने तुम्हारे पिता, भाई, पुत्र और पति की हत्या की है, वह तुम्हारे सामने खड़ी है। आज उसी से तुम्हें लोहा लेना है। तुम प्रण करो कि जननी जन्म भूमि को पराधीन होते देखने के पहले तुम सदा के लिए अपनी आँखें बंद कर लोगी।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



अशोक : (स्वतः) यह कौन है? क्या साक्षात् दुर्गा कलिंग की रक्षा करने के लिए युद्ध-भूमि में उतर आई है ? शीर्ष सैनिक भी सभी स्त्रियाँ हैं। क्या स्त्रियों से भी युद्ध करना होगा ? क्या अशोक को स्त्रियों का भी वध करना होगा ? ना! ना! मैं स्त्री-वध नहीं करूँगा। मुझे विजय नहीं चाहिए। मैं यह पाप नहीं करूँगा। मैं शस्त्र नहीं चलाऊँगा। (प्रकट) सैनिको, स्त्रियों पर हाथ न उठाना। (आगे बढ़कर) तुम कौन हो देवी ?

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

पद्मा : मैं कलिंग महाराज की कन्या हूँ। मैं हत्यारे अशोक की सेना से लड़ने आई हूँ। जब तक मैं हूँ, मेरी ये वीरांगनाएँ हैं, कलिंग के भीतर कोई पैर नहीं रख सकता। कहाँ है अशोक, कहाँ है मेरे पिता का हत्यारा? मैं उससे द्वंद्व युद्ध करना चाहती हूँ।

मूल्यांकन



1 | "मगध की विजय हुई है! कलिंग जीत लिया गया है" - ये अशोक ने कहा है ।

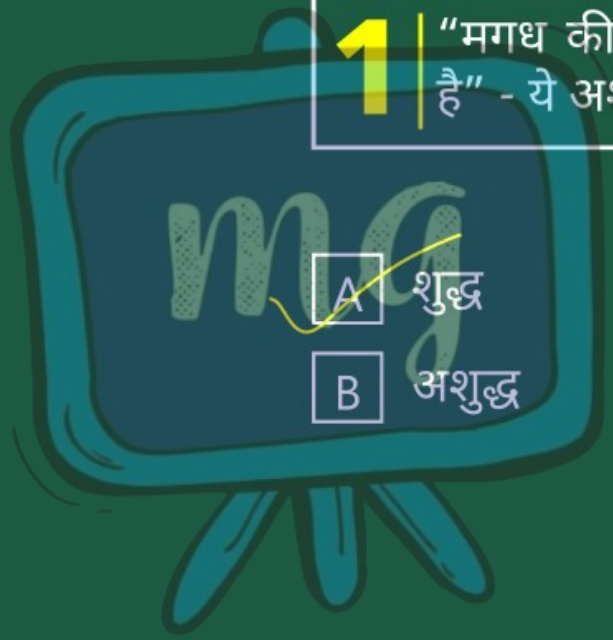

मूल्यांकन



2 | पद्मा कलिंग महाराज की कन्या है ।

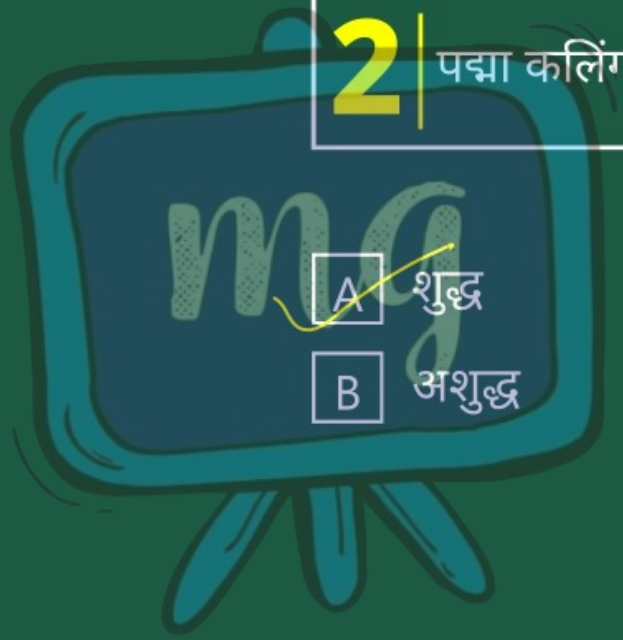

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

मूल्यांकन

Under CSR Support by
ipca | Foundation



मगध

3 | अशोक कलिंग के महाराज है ।

A शुद्ध

B अशुद्ध